



Literacy for a Billion

Movie: Hero

Year: 1983

बिछड़े अभी तो हम  
बस कल परसों  
जिऊँगी मैं कैसे  
इस हाल में बरसों

मौत ना आई  
तेरी याद क्यूँ आई  
हाय लम्बी जुदाई  
चार दिनों दा  
प्यार ओ रब्बा  
बड़ी लम्बी जुदाई  
लम्बी जुदाई

होंठों पे आई  
मेरी जान दुहाई  
हाय लम्बी जुदाई  
चार दिनों दा  
प्यार ओ रब्बा  
बड़ी लम्बी जुदाई  
लम्बी जुदाई

इक तो सजन मेरे  
पास नहीं रे  
दूजे मिलण दी  
कोई आस नहीं रे  
दूजे मिलण दी

Song: Lambi Judai 2

Lyricist: Anand Bakshi

कोई आस नहीं रे

उस पे ये सावन आया  
उस पे ये सावन आया  
आग लगाई  
हाय लम्बी जुदाई  
चार दिनों दा  
प्यार ओ रब्बा  
बड़ी लम्बी जुदाई  
लम्बी जुदाई

बाग़ उजड़ गए  
बाग़ उजड़ गए  
खिलने से पहले  
पंछी बिछड़ गए  
मिलने से पहले  
पंछी बिछड़ गए  
मिलने से पहले

कोयल की कूक  
कोयल की कूक ने  
हूक उठाई  
हाय लम्बी जुदाई  
चार दिनों दा  
प्यार ओ रब्बा  
बड़ी लम्बी जुदाई  
लम्बी जुदाई

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*